Indian Journal of Modern Research and Reviews

This Journal is a member of the *'Committee on Publication Ethics'*

Online ISSN:2584-184X

Research Article

कौशल और रोजगारपरक शिक्षा को आमजन तक पहुंचाने में सामुदायिक रेडियो की भूमिका - एक अध्ययन

योगिता शर्मा

शोधार्थी, जनसंचार और पत्रकारिता विभाग, वनस्थली विद्यापीठ राजस्थान, भारत

Corresponding Author: *योगिता शर्मा

DOI: https://doi.org/10.5281/zenodo.19031988

सारांश

भारत अब बदल चुका है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आने के बाद शिक्षा में बड़ा बदलाव आया है। शिक्षा में कौशल ज्ञान और व्यवहारिकता पर अधिक बल दिया गया है। इसी के साथ ही रोजगार रूपी ज्ञान को भी वरीयता दी गई है। सरकार द्वारा योजना को धरातल पर लाने के लिए देश में सभी केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालय द्वारा और अनेक शैक्षणिक संस्थानों में इसके लिए अनेक कार्य किए जा रहे हैं। मीडिया द्वारा भी अनेक क्रियाकलापों द्वारा इस योजना को धरातल पर लाया जा रहा है। मुद्रित माध्यम के कलम और कागज की ताकत से बड़े बड़े लेख लिखकर उनका विश्लेषण कर जमीनी स्तर पर उतारा जा रहा है। वहीं टेलीविजन की दुनिया की बात करें तो चलचित्र, साक्षात्कार और फिल्मों के द्वारा इसका प्रसारण किया जा रहा है। कौशल आधारित शिक्षा से विद्यार्थी अपना कोई भी किसी भी प्रकार का रोजगार स्थापित कर सकता है।

शिक्षा में निवेश किसी भी देश की नींव होता है। और इस नींव पर उस देश के विकास की कथा लिखी जाती है। इसी के साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति में कौशल को वरीयता देकर तथा रोजगार रूपी ज्ञान की भागीदारी को बढ़ावा देकर देश के विकास की गाथा लिखी जा रही है।

भारत को विकसित राष्ट्र की श्रेणी में लाने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

सामुदायिक रेडियो: -

संदेशों/ सूचनाओं को एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए हम अनेक माध्यमों का उपयोग करते हैं। जनसंचार के अनेक माध्यम जैसे टेलीविजन अखबार पत्रिकाएं ,बैनर पंपलेट या फिर बात करें रेडियो जैसे माध्यम की जो सूचनाओं के सागर जैसी जानकारी या मनोरंजन से संबंधित बातों को आम जनता तक पहुंचाने के लिए एक सुचारू और विश्वसनीय माध्यम के रूप में अपनी पहचान बनाए हुए हैं । हम बात करते हैं सामुदायिक रेडियो स्टेशन की जोकि किसी खास समुदाय के द्वारा ही चलाया जाता है चाहे वह कोई शैक्षणिक संस्थान हो या फिर कोई एनजीओ हो उनके द्वारा ही यह रेडियो स्टेशन तमाम जानकारी लोगों तक पहुंचाने के लिए चलाए जाते हैं।

सामुदायिक रेडियो स्टेशन इनका उद्देश्य लाभ कमाना नहीं होता बल्कि तमाम जागरूकता कार्यक्रम अनेकों स्थानीय मुद्दे जो अमुक समुदाय से जुड़े हुए होते हैं उनको आम जनता तक पहुंचाना होता है। यह एक लोकतांत्रिक माध्यम भी है जो समाज में परिवर्तन और समाज में सकारात्मक बदलाव की ओर एक विकास की ओर अग्रसर लोगों को ले जाता है। अगर बात करें ग्रामीण क्षेत्र की तो ग्रामीण क्षेत्र में अभी भी जो सबसे विश्वसनीय और सरलतम पहुंच का माध्यम है वह सामुदायिक रेडियो स्टेशन है। सामुदायिक रेडियो स्टेशन पर प्रसारित अनेक कार्यक्रमों का ग्रामीण समुदाय खासकर अगर हम महिलाओं की बात करें तो वह एक विश्वास पर इन योजनाओं को अपनी जीवनशैली में डालने का प्रयास करते हैं।

मुख्य शब्द: सामुदायिक रेडियो , ग्रामीण क्षेत्र, जनसंचार माध्यम, कार्यक्रम, महिलाएं, जागरूकता।

Manuscript Information

- **ISSN No:** 2584-184X
- **Received:** 06-01-2026
- **Accepted:** 27-02-2026
- **Published:** 15-03-2026
- **MRR:**4(3); 2026: 219-221
- **©2026, All Rights Reserved**
- **Plagiarism Checked:** Yes
- **Peer Review Process:** Yes

How to Cite this Article

योगिता शर्मा. कौशल और रोजगारपरक शिक्षा को आमजन तक पहुंचाने में सामुदायिक रेडियो की भूमिका - एक अध्ययन. इंडियन जर्नल ऑफ मॉडर्न रिसर्च रिव्यू. 2026;4(3):219-221.

Access this Article Online

www.multiarticlesjournal.com

© 2026 योगिता शर्मा. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

प्रस्तावना

शिक्षा किसी भी देश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।देश की नींव शिक्षा रूपी पिलर में ही निहित होती है। पहचान बनाने में शिक्षा रूपी यज्ञ में ज्ञान रूपी आहुतियां डालने मीडिया रूपी सभी माध्यम अपनी विशेष भूमिका निभाते है।मीडिया वैसे भी लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। आज कौशल और व्यावहारिक शिक्षा पर जोर दिया जा रहा है।जन समुदाय में सामुदायिक रेडियो के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में कौशल आधारित शिक्षा की अलख जगाना और धरातल पर लाने में रेडियो की एक अलग भूमिका होती है। रेडियो द्वारा सरकार की सभी ज्ञान रूपी नदी को आमजन तक पहुंचाने में और विकसित राष्ट्र की श्रेणी में लाने में सक्षम पिलर की तरह सामुदायिक रेडियो कार्य कर रहा है। शोध कार्य का उद्देश्य जन समुदाय के बीच जाकर सरकारी योजनाओं को अंकुरित होते देखना और फल रूपी समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करना है। हरियाणा प्रदेश आर्थिक रूप से मजबूत और शिक्षा के क्षेत्र में धनी है , और उसमें स्थानीय समुदाय की भागीदारी अधिक है।इसी को ध्यान में रखते हुए पलवल जिले में कौशल विश्वविद्यालय होने के कारण सामुदायिक रेडियो होने के कारण आम जनता तक उसकी पहुंच जानना आसान होगा।

इतिहास:-

सामुदायिक रेडियो स्टेशन के इतिहास की बात करें तो 1 फ़रवरी 2004 को, अन्ना विश्वविद्यालय के ऑडियो-विजुअल अनुसंधान केंद्र के तत्कालीन निदेशक डॉ. श्रीधर राममूर्ति द्वारा भारत के पहले कैंपस "सामुदायिक" रेडियो स्टेशन के रूप में अन्ना एफएम का शुभारंभ किया गया। उन्हें भारत में सामुदायिक रेडियो का जनक माना जाता है। जिसका उद्देश्य ग्रामीण विकास, शिक्षा और स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देना है, जो वाणिज्यिक रेडियो से अलग, समुदाय-संचालित और सामाजिक बदलाव का मंच है।

भारत में सामुदायिक रेडियो (Community Radio) का इतिहास जनसंचार, लोकतंत्र और स्थानीय भागीदारी से गहराई से जुड़ा हुआ है। यह माध्यम विशेष रूप से ग्रामीण और वंचित समुदायों को अपनी आवाज़ उठाने का अवसर देता है।

भारत में रेडियो प्रसारण की शुरुआत 1920 के दशक में हुई। बाद में 1936 में All India Radio (आकाशवाणी) की स्थापना हुई, जिसने देशभर में रेडियो प्रसारण का विस्तार किया।

हालाँकि, यह सरकारी नियंत्रण में था और आम लोगों को अपने कार्यक्रम बनाने या प्रसारित करने की स्वतंत्रता नहीं थी।

2006 में भारत सरकार ने गैर-लाभकारी संगठनों (NGOs), शैक्षणिक संस्थानों और कृषि विश्वविद्यालयों को सामुदायिक रेडियो लाइसेंस देने की अनुमति दी।

यह एक बड़ा कदम था क्योंकि:

- इससे ग्रामीण क्षेत्रों में सूचना का प्रसार बढ़ा
- महिलाओं और किसानों को मंच मिला
- स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा मिला
- जन समुदाय का विकास करना।

उद्देश्य: -

1. सामुदायिक रेडियो की ग्रामीण विकास में भूमिका का एक अध्ययन।
2. कौशल और रोजगारपरक शिक्षा - सामुदायिक रेडियो की आम नागरिक तक पहुंच का अध्ययन।
3. महिलाओं के जीवनशैली में रेडियो के शैक्षणिक कार्यक्रम द्वारा हुए बदलाव को जानना।
4. ग्रामीण क्षेत्र में रेडियो की स्थिति और संचालन को जानना।
5. ग्रामीण शैक्षणिक संस्थाओं में रेडियो की पहुंच और उसके द्वारा हुए परिवर्तन को जानना।
6. कौशल और रोजगारपरक शिक्षा को आमजन तक पहुंचाने में सामुदायिक रेडियो की भूमिका

शोध क्षेत्र: -

हरियाणा राज्य के पलवल जिले में स्थित समुदायिक रेडियो (रेडियो एनजीएफ 90.4) को अपने शोध के लिए चयन किया है। इस रेडियो को चयन करने का उद्देश्य पलवल जिले में के गावों में इसकी पहुंच को जानना और इसपर प्रसारित होने वाले सभी कार्यक्रमों में आम जनता की रुचि को जानना है। यहां आसपास दो सौ गांवों में जाकर वहां की जनसंख्या के अनुसार आंकड़े प्राप्त करना भी शोध का उद्देश्य है।

हरियाणा प्रान्त का गठन 1 नम्बर 1966 को पंजाब से अलग हो कर हुआ। हरियाणा का नाम लेते ही हमारे मस्तिष्क में एक ऐसे प्रदेश की छवि उभर आती है जिसकी पुरातन धरोहर अत्यंत समृद्ध है और वर्तमान में भी जो देश के सर्वाधिक समृद्ध राज्यों में से एक है। शिक्षा के क्षेत्र में भी यहां आधुनिक शिक्षा के हर संकाय और विषय की शिक्षा देने के लिए अनेक विश्वस्तरीय शिक्षण संस्थान खुल चुके हैं । · हरियाणा भारत के सबसे समृद्ध कृषि राज्यों में से एक है।

- हरित क्रांति में इसका महत्वपूर्ण योगदान रहा।
- खेलों में भी हरियाणा का बड़ा योगदान है, विशेषकर कुश्ती और बॉक्सिंग में।

15 अगस्त, 2008 को पलवल हरियाणा के 21 वॉ जिला बन गया।

इस शोध कार्य को करने का उद्देश्य एक यह भी है कि अभी तक मिली जानकारी के अनुसार अब तक इस रेडियो पर किसी भी प्रकार का कोई भी शोध कार्य नहीं हुआ है। हरियाणा राज्य की निवासी होने के कारण यहां की संस्कृति से परिचय होना भी इस शोध में रुचि पैदा करता है।

देश का पहला कौशल विश्वविद्यालय भी पलवल जिले में है। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय भारत का प्रथम कौशल और व्यावहारिक शिक्षा पर आधारित विश्वविद्यालय है जो हरियाणा प्रदेश की मुख्य पहचान का कारण भी है।

पलवल जिले के सभी कॉलेजों मैं प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना दीनदयाल उपाध्याय योजना तथा कौशल आधारित कार्यक्रम चलाए जाते हैं। जन समुदाय को कौशल पर आधारित शैक्षणिक कार्यक्रमों की जानकारी होना तथा उनका इनको क्रियान्वयन करना भी शोध का प्रमुख कारण है।

शोध अंतराल: -

पलवल जिले में आसपास शैक्षणिक संस्थानों में जनसंचार और पत्रकारिता का प्रोग्राम केवल दो कॉलेज में ही उपलब्ध है। हरियाणा

© 2026 योगिता शर्मा. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

राज्य का इक्कीसवां जिला पलवल कहीं ना कहीं आज भी विकास के मामले में पिछड़ा हुआ है।
सरकारी योजना को धरातल पर लाने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों की कमी भी एक शोध अंतराल का कारण माना जाता है

जनसंचार के सभी माध्यमों का ग्रामीण क्षेत्र में न पहुंचना भी एक विशेष कारण है। सामुदायिक रेडियो को कम जानना और उसे पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों के बारे में नहीं जानना भी एक विशेष कारण है। युवा वर्ग की सोशल मीडिया पर निर्भरता भी इसका एक मुख्य कारण है ।

Table of Radio Stations in Haryana

CR Station	Organisation/Category	Location (District/City)	Frequency	Contact Information
Alfaz-e-Mewat FM 107.8	S.M. Sehgal Foundation (NGO)	Mewat (Village Ghaghas)	107.8 MHz	alfazemewat@gmail.com, 9810529324
Radio Mewat 90.4	The SMART NGO	Mewat (Nuh)	90.4 MHz	radiomewat90.4@gmail.com, 8685904904
Gurgaon Ki Awaaz	The Restoring Force (Civil Society)	Gurgaon	107.8 MHz	N/A
Radio Manav Rachna	Manav Rachna International University	Faridabad	107.8 MHz	N/A
CCS Radio	CCS Haryana Agricultural University	Hisar	91.2 MHz	N/A
Radio Sirsa	Chaudhary Devilal University	Sirsa	N/A	N/A
Jagdish Gopal Radio	Bharat Sainik Sr Sec School	Sirsa	N/A	N/A
Radio NGF	NGF College of Engineering & Technology	Palwal	90.4	radiongfpwl@ngfcet.com 8930904904
Sanjha Radio	All India Samaj Sewa Kendra	Yamuna Nagar	N/A	N/A
Mindtree CR	Mind Tree School	Ambala	N/A	N/A
Radio Aravali	Dakshini Haryana Sanskritik Manch	Mahendrgarh	90.4 MHz	7399932000

संदर्भ सूची

1. www.mib.in
2. Federation of community Radio Station /fcrs
3. Pro Mishra Raj (Community Radio by the people for the people)
4. राम शर्मा श्री (हरियाणा का इतिहास)
5. कुमार सुबोध डॉ. द्वारा प्रकाशित लेख सामुदायिक रेडियो और गावो का विकास।
6. रानी रीना डॉ. द्वारा प्रकाशित लेख ग्रामीण समुदाय में सामुदायिक रेडियो स्टेशन की भूमिका।
7. Bhatia Chetna (Democratizing the rural development in India - case study of Radio Mewat
8. Administration of Palwal District.
9. DLSA Palwal
10. Kumar J Keval (Mass Communication in India)
11. www.svsu.ac.in
12.Sreedher R ,Murada O. Pooja (Community Radio in India)
13.Howley Kevin (Understanding Community Media)
14. श्रीमाली इंद्र प्रकाश डॉ. (सामुदायिक रेडियो)
15. कुमार मनोज (कम्युनिटी रेडियो)
16. शर्मा कौशल रेडियो प्रसारण

Creative Commons License

This article is an open-access article distributed under the terms and conditions of the Creative Commons Attribution–NonCommercial–NoDerivatives 4.0 International (CC BY-NC-ND 4.0) License. This license permits users to copy and redistribute the material in any medium or format for non-commercial purposes only, provided that appropriate credit is given to the original author(s) and the source. No modifications, adaptations, or derivative works are permitted.

About the corresponding author

योगिता शर्मा जनसंचार और पत्रकारिता विभाग, वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान की शोधार्थी हैं। उनका शोध क्षेत्र मीडिया अध्ययन, संचार प्रक्रिया, सामाजिक मुद्दों की पत्रकारिता तथा समकालीन मीडिया पर केन्द्रित है। वे मीडिया के माध्यम से समाज में जागरूकता, संवाद और सकारात्मक परिवर्तन को बढ़ावा देने के प्रति प्रतिबद्ध हैं।

© 2026 योगिता शर्मा. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/